

रवर्न के लिए सभी धार्मिक और सामाजिक संस्थानों ने अच्छे सहयोग दिया। गोवाजी मेला समापन से पहले भावना विद्यार्थी संजीव बेनवाल, मेला मजिस्ट्रेट सुनीता दांडेव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोता चौधरी, देवस्थान विभाग सहयोग आउटगुट गोवेर सोनी व पद्म प्रताप विभाग ने गोवाजी मेले में मन्था टेका तथा पुजा अर्चना कर गोवाजी की समाधि पर चढ़कर चढाकर क्षेत्र में खुशहाली व समृद्धि की कामना की। अवसर पर भावना विभाग संजीव बेनवाल, नोहर एसडीएम व मेला मजिस्ट्रेट सुनीता दांडेव, अतिरिक्त

लाख से भी अधिक श्रद्धालुओं ने गोवाजी मेले में भाग लिया। गोवाजी मेले में धौक लाख व गुरु गोरेखण्डा मेले में धौक लाख मेले में इतनी अधिक भीड़ होने के बाद गोवाजी मेला शांतिपूर्ण संपन्न होने में प्रशासन ने सभी अधिकारियों की तारीफ की। जिला प्रशासन और देवस्थान विभाग ने इस बार यात्रियों की सुविधा के लिए कबूतरी गार्ड, जिनका वाहन अस्पद दिखाई दिया। गर्दिर परिसर स्थित पर्वत लगमग 850 फीट स्थावर पत्थरों बैरिकेटिंग बनाई गई, जिससे श्रद्धालुओं को धूप व बाहिर से रहस्य मिली और नैन स्नेहिंग व पर्व चोरी व घटनाओं पर भी रोक लगी।

आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क
इंड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते।

इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम और कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।



6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखनी भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।

10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी SIP से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटाने में तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती है। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें
निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयवधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयवधि तय करें।
- एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।
- निवेश से पहले जरूर देखें
- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?



महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

■ बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%

■ महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

समझदारी
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आकामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा
निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक B30 लोकेशंस के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 39.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन फंडाईडी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें
इक्विटी म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए निवेश का अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निपटी 50 टीआरआई का सीपजीआर 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

एयूएम गिरा, फिर भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उनकी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकालों का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

सावधानी
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ औसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात
स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका



हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में एसआईपी करता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मल्टीसेक्टर कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का

फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनित खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।



ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत
कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा

पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजदूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।



असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पैरल करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों की भी क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

बचत और निवेश भी रुक जाते हैं

मान लीजिए किसी व्यक्ति को हर महीने 5 हजार रुपये एसआईपी में निवेश करने थे। लेकिन लगातार बढ़ती ईएमआई के कारण वह एसआईपी बंद कर देता है। दूसरी तरफ, कर्ज पर ब्याज का भुगतान जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा

सकता कि उसकी सैलरी कितनी है। यह भी देखना जरूरी है कि सैलरी का कितना हिस्सा कर्ज चुकाने में जा रहा है।

अतिरिक्त आय न समझें
क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसकी जारी रकता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा

कैसे पहचानें कि आप डेट ट्रेप की ओर बढ़ रहे हैं?

- पहला, महीने की ईएमआई चुकाने के लिए बार-बार नया कर्ज लेना।
- दूसरा, क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार न्यू, भुगतान कराना।
- तीसरा, सैलरी आने के कुछ दिनों में ही बैंक खाते में बहुत कम रकम बचाना।
- चौथा, बचत और निवेश लगातार बंद करना ताकि ईएमआई चुकाई जा सके।
- 5वां, एक साथ कई लोन की ईएमआई चलना और हर माह किस्त की चिंता रहना।

डेट ट्रेप से निकलने का पहला कदम क्या हो?

सबसे पहले नए कर्ज से समस्या को दकना बंद करना जरूरी है। इसके बाद सभी कर्ज की सूची बनाएं। कितना मूलधन बाकी है, ब्याज दंड कितना है, ईएमआई कितनी है और कितने महीने बाकी है। इसके बाद गैर-जरूरी खर्चों को अस्थायी रूप से कम करके उपलब्ध रकम का इस्तेमाल महंगे कर्ज को कम करने में किया जा सकता है। यदि कई कर्ज हैं तो उनकी ब्याज दर और बतों की तुलना करके प्राथम्यता या उचित समेकन के विकल्पों पर बैंक या योग्य वित्तीय सलाहकार से बात की जा सकती है।

खबर संक्षेप

नशे के दूष्प्रभावों पर हुआ व्याख्यान

फतेहाबाद। श्री गुरु तेग बहादुर स्कूल ऑफ स्पेशल एजुकेशन, बहबलपुर, में स्वास्थ्य जागरूकता एवं नशा मुक्ति कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त समाज के निर्माण का एक नया व सकारात्मक संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। शिविर में सीएचओ डॉ. कंचन कंबोज, डॉ. संदेश, गुरमीत सिंह, हेल्थ इंस्पेक्टर नंद लाल एवं एलएचवी, सुदेश रानी की टीम ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की गहनता से जांच की।

अपहरण व मारपीट के मामले में आरोपी काबू

फतेहाबाद। गांव गिलांखंडा निवासी युवक का रास्ता रोककर नवनाथ नारायण में अपहरण करने, मारपीट करने तथा मोबाइल फोन को नुकसान पहुंचाने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक और आरोपी को काबू किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मुकेश बुडनिया निवासी चंदो देवी धर्मशाला के निदेशक, भट्ट कलां के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस अब तक कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

राजकीय महाविद्यालय में एनसीसी व एनएसएस के रक्तदान शिविर में 38 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज़ ►► गटूकलां

राजकीय महाविद्यालय भटूकलां में शनिवार को एनसीसी और एनएसएस यूनिट के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कॉलेज के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, स्टाफ सदस्यों और अन्य लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और कुल 38 यूनिट रक्तदान किया। रक्त एकत्र करने के लिए रेडक्रॉस की सहायता से महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा की विशेष चिकित्सकीय टीम पहुंची। अग्रोहा से आई टीम ने रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच कर सुस्थित तरीके से रक्तदान संपन्न कराया और उनके जन्मे की सराहना की। शिविर में भट्ट मंडी के सरपंच प्रतिनिधि आशु गोयल तथा मेहुवाला से सीएम विंडो एमिन्ट पर्सन सतबीर दुबका मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बंसीलाल गुर्जर उपस्थित रहे। अतिथियों ने रक्तदाताओं को बिल्ला लगाकर और प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

एसडीएम ने रताखेड़ा गांव में पीएम श्री स्कूल व मिड-डे मील व्यवस्था का किया निरीक्षण

रतिया। एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने पीएम श्री राजकीय रिपटर्न माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हाजरी रजिस्टर, विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, कक्षाओं, स्वच्छता, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। एसडीएम ने विद्यालय को उपलब्ध करवाए जा रहे मिड-डे मील की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, भोजन तैयार करने की प्रक्रिया तथा विद्यार्थियों को भोजन परोसने की व्यवस्था का जायजा लिया। संबंधित स्टाफ को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार पीप्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई से संबंधित बातचीत की और उन्हें नियमित रूप से मेहनत करने तथा अनुशासन में रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की शिक्षा एवं सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने डिजिटल क्रांप सर्वेक्षण के तहत खेतों में बोई गई फसलों का डिजिटल माध्यम से सर्वेक्षण किया। संबंधित अधिकारी को सर्वे कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के आदेशक दिशा-निर्देश दिए। डिजिटल क्रांप सर्वे का उद्देश्य खेतों में बोई गई फसलों का सही एवं पारदर्शी डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना है। सर्वेक्षण के दौरान फरुख, खेत तथा संबंधित विवरण को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दर्ज किया जाए, ताकि अतिथ्य में किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कृषि संबंधी सेवाओं का लाभ पहुंचाने में सुविधा हो।

30 सितंबर तक गुरुद्वारा साहिब का काम शुरू नहीं हुआ तो करेंगे आंदोलन

रतिया। गुरुद्वारा साहिब पुराना बाजार की इमारत का पिछले लंबे समय से चल रहा निर्माण कार्य अचानक रुकने से संगत में भारी रोष व्याप्त है। इस समस्या को लेकर रतिया की समूह संगत के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झोंडा को एक मांग पत्र सौंपा। इसमें उन्होंने गुरुद्वारा साहिब की इमारत का अधूरा पाठ निर्माण कार्य तुरंत दोबारा शुरू करवाने की पुरजोर मांग उठाई है। कमेटी को सौंपे गए मांग पत्र में संगत ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब की इमारत का निर्माण कार्य पिछले काफी समय से प्रगति पर था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से इसे अचानक बंद कर दिया गया है। जब भी इस संबंध में जिम्मेदार लोगों से संपर्क किया जाता है, तो बजट पास न होने की बात कहकर टालमटोल किया जाता है।

पुलिस अधिकारियों के साथ विशेषज्ञों ने किया मंथन नशे की रोकथाम के साथ उपचार व पुनर्वास पर जोर

- पुलिस लाइन के प्रशासनिक भवन में सेमिनार

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

पुलिस लाइन के प्रशासनिक भवन में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए शनिवार को सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने नशा रोकथाम, तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई तथा नशा पीड़ितों के उपचार व पुनर्वास को लेकर जरूरी उपाय बताए। राज्य स्तरीय समन्वय एजेंसी, हरियाणा एवं सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के निदेशन में अंकुश फाउंडेशन हिसार की टीम ने पुलिस अधिकारियों के साथ नशे की समस्या के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया। सेमिनार में नशे के कारणों, इसकी रोकथाम, स्पलाई चैन तक पहुंचने और नशे के आदी लोगों को उपचार तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के प्रोफेसर एवं साइकोलॉजिस्ट डॉ. संजय कुमार



सिरसा। सेमिनार में मंथन करते पुलिस अधिकारी व विशेषज्ञ।

फोटो : हरिभूमि

ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस की भूमिका अहम है, लेकिन केवल नशा बेचने वालों पर कार्रवाई करना ही पर्याप्त नहीं है। नशे की गिरफ्त में आए लोगों की पहचान कर उनकी काउंसलिंग, उपचार और पुनर्वास पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने गांवों, शिक्षण संस्थानों और संवेदनशील क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियां बढ़ाने पर जोर दिया। सेमिनार में कहा गया कि नशे की समस्या से जूझ

रहे व्यक्ति को सिर्फ अपराधी की नजर से देखने के बजाय उसे उपचार और पुनर्वास के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। पुलिस स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक संस्थाओं और परिवारों के सहयोग से ऐसे लोगों को उचित उपचार व परामर्श केंद्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकती है। डीएसपी राजवीर सिंह ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई पूरे समाज की जिम्मेदारी

है। परिवार, स्कूल और सामाजिक संस्थाएं मिलकर युवाओं को सही दिशा दे सकती हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नजर रखने तथा मोबाइल से ज्यादा समय बच्चों के साथ बिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों से लगातार संवाद रखने और उनकी परेशानियों को समझ रहते समझने से उन्हें गलत संगत व नशे जैसी समस्याओं से दूर रखने में मदद मिल सकती है।

सोलर सिस्टम में गड़बड़ी का आरोप

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत तीन किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाने के मामले में कथित गड़बड़ी सामने आने के बाद पुलिस ने सोलर पेटल प्राइवेट लिमिटेड और उसके एजेंट रवि गोस्वामी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सिरसा निवासी सौरभ की शिकायत पर दर्ज मामले में गलत सामग्री उपलब्ध कराने, काम अधूरा छोड़ने और अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के बाद बिजली विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सोलर सिस्टम की जांच की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार जांच में कमियां मिलने पर सिस्टम को फेल बताया गया और कंपनी को नोटिस जारी किया गया। शिकायतकर्ता सौरभ के अनुसार उसने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त

न्यूज़ डायरी

सेवा संकल्प अभियान के तहत औषधीय पौधे वितरित

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयुष विभाग द्वारा धर्मपुरा, शेरपुरा, भावदीन, भरोखा और कंवरपुरा सहित जिला के विभिन्न गांवों में पोषण वाटिका एवं औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान लोगों को औषधीय पौधे और सौंड बॉल वितरित किए गए तथा इनके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशु शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान आयुष विभाग की ओर से आमजन को पोषण वाटिका विकसित करने तथा घर एवं आसपास औषधीय पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। आमजन को बताया गया कि औषधीय पौधे स्वास्थ्य एवं पर्यावरण दोनों के लिए उपयोगी हैं और इनके संरक्षण एवं संवर्धन में आमजन की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा विभाग द्वारा जिले की विभिन्न आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी पोषण वाटिका एवं औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

पंचंदन सेवा सदन में रक्तदान शिविर 28 को

फतेहाबाद। जिला प्रशासन एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, फतेहाबाद द्वारा पंचंदन सेवा सदन, फतेहाबाद के सहयोग से 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 28 सितंबर को प्रातः 9 बजे रक्तदान शिविर एवं टीबी मरीजों को पोषण किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम पंचंदन सेवा सदन, फतेहाबाद में आयोजित किया जाएगा। बता दें कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है और इसके तहत विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्य डॉ. विवेक भारती करेंगे। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा तथा टीबी से पीड़ित मरीजों को पोषण किट वितरित की जाएगी।

ट्यूबवेल की केबल तार चोरी का आरोपी दबोचा

सिरसा। पुलिस टीम ने गांव रगड़ी खेड़ा के खेत से ट्यूबवेल की 120 मीटर केबल तार चोरी करने कर रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रवेश उर्फ गोल्द पुत्र ओमप्रकाश निवासी गांव रंगड़ी खेड़ा जिला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गांव रंगड़ी खेड़ा निवासी श्रवण कुमार पुत्र मुंशी राम ने सदर थाना में दी शिकायत में बताया कि गांव रगड़ी में बीती 14 सितंबर 2026 की रात्रि को करीब 2 खेत से अज्ञात युवकों ने ट्यूबवेलों की केबल तार चोरी कर मौका से फरार हो गए हैं। उन्होंने बताया कि ट्यूबवेल की केबल तार चोरी का मामला जैसे ही पुलिस अग्रिक्षक के संहान में आया उन्होंने खेतों से केबल तार चोरी की हुई घटनाओं पर कड़ा संहान लेते हुए सदर थाना पुलिस को त्वरित कार्रवाई कर केबल तार चोरी की इन वारदातों को शीघ्र अति शीघ्र सुलझाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों के खिलाफ थाना सदर में चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

माही सिरसा में प्रथम व यूनिवर्सिटी में चौथे स्थान पर

सिरसा। पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेस ने बीफार्मेसी प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के घोषित परिणाम में स्थानीय लॉर्ड शिवा कालेज आफ फार्मेसी संस्थान की माही ने ने 725 में से 625 अंक लेकर पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइंसेस में चौथा और पूरे सिरसा में प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं हिमांशी ने 750 में से 637 अंक हासिल कर यूनिवर्सिटी में आठवां और सिरसा जिले में दूसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा हसी कक्षा की वंशिका चावला ने पूरी कक्षा में तीसरा और सिरसा जिले में छठा स्थान हासिल किया। संस्था के सचिव सोमप्रकाश एडवोकेट ने माही, हिमांशी, वंशिका व सभी सफल छात्र-छात्राओं एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए इन उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के कड़े परिश्रम को दिया।

संसाधनों के अधिक उपयोग के लिए किया प्रेरित

कार्यक्रम की शुरुआत में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा मखीजा ने मुख्य वक्ता प्रो. पंकज शर्मा का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो. मीनाक्षी कोहली, डॉ. विजय गोयल, प्रो. सुरेन्द्रपाल, प्रो. प्रतिभा मखीजा, प्रो. शिम्पा, प्रो. प्रीत, राजेश फोगाट तथा डॉ. विकेश सेठी सहित कालेज के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। मंच संवादन प्रो. प्रीत ने किया। कार्यक्रम के अंत में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा मखीजा ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात प्रो. पंकज शर्मा को पौधा गैट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम ने शिक्षण एवं शोध में तकनीक के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों को आईसीटी संसाधनों के अधिक प्रभावी एवं रचनात्मक उपयोग के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों के पास डिजिटल माध्यमों से ज्ञान के अनेक स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका विद्यार्थियों को सही संसाधन चुनने, सूचनाओं की विश्वसनीयता समझने और उनका रचनात्मक उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन देना का नाम रोशन कर सके। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से बदलती तकनीक के साथ स्वयं को निरंतर अपडेट रखने का आह्वान किया।



चाहरवाला की आंगनवाड़ी में आंगन मिलन समारोह का आयोजन

चोपटा। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव चाहरवाला की आंगनवाड़ी केंद्र में आंगन मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गाँमिका महिलाओं एवं बच्चों को विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से मिलने वाली सेवाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान राजबाला तथा आंगनवाड़ी वर्कर सुमित्रा, लीलावती और राजू ने महिलाओं एवं अभिभावकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सहायता योजना, आपकी बेटी हमारी बेटी योजना और लांडो लक्ष्मी योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों से समय पर आवेदन कर योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आईसीडीएस सेवाओं के तहत बच्चों एवं महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

सिरसा की महकनूर का एशिया प्रशांत सिक्सेस लैक्रोस चैंपियनशिप के लिए चयन

सिरसा। शाह सतनामजी गव्स स्कूल की खिलाड़ी महकनूर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनका चयन एशिया-प्रशांत सिक्सेस लैक्रोस चैंपियनशिप एवं ओलिंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में हुआ है। हरियाणा से इस प्रतियोगिता के लिए केवल दो खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें सिरसा की महकनूर और जींद की कनिष्ठा शामिल हैं। महकनूर 26 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आगरा में आयोजित तैयारी शिविर में भाग लेंगी। इसके बाद 3 से 11 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया के वॉर्सलैंड स्थित सनशाइन कोस्ट स्टेडियम में होने वाली चैंपियनशिप में भारतीय टीम की ओर से मैदान पर उतरेगी। महकनूर अब तक 5 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने इन प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक अपने नाम किया है। वह टीम में मिडफील्डर की भूमिका निभाती हैं। लगातार बेहतर प्रदर्शन के चलते उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। महकनूर के चयन पर शाह सतनामजी शिक्षण संस्थान के प्रशासक चरणजीत सिंह और शाह सतनामजी गव्स स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. शीला पुनिया ने खुशी जताते हुए खिलाड़ी को बधाई दी है। महकनूर ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय डेरा प्रमुख को दिया है।



रवि बने मिस्टर तो गुरविंदर कौर बनीं मिस फ्रेशर



सिरसा। शाह सतनामजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा में बीएड प्रथम व डीएलएड प्रथम वर्ष के छात्र अध्यापकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम और नवजातुक्त समान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज प्रशासिका डॉ. चरणप्रीत कौर, प्राचार्या डॉ. रजनी बाला ने कहा कि महाविद्यालय उनके लिए केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, प्रतिभा, विचार और मतिष्थ को आकार देने वाला मंच है। सुबह के सत्र का संवादन डॉ. मीनाक्षी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की जानकारी देने के साथ विभिन्न प्रयोगशालाओं और पुस्तकालय का भ्रमण करवाया। दोपहर के सत्र में बीएड प्रथम वर्ष के वकील, एक्टरा, रवि वर्मा और अश्वनी वर्मा तथा द्वितीय वर्ष की रोटा और रमनदीप कौर ने मंच संवादन किया। फेचरपर पार्टी में तैल राउंड आयोजित किए गए। निष्पत्तक मंडल में डॉ. मोना सिवाव और गुरजीत कौर शामिल रही। समापन पर प्रशासिका डॉ. चरणप्रीत कौर ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और आत्मविश्वास की सराहना की। रवि वर्मा को मिस्टर फ्रेशर, गुरविंदर कौर को मिस फ्रेशर, संदीप सिंह को मिस्टर पर्सनैलिटी व प्रमजोत कौर को मिस पर्सनैलिटी के खिताब से नवाजा गया।

एमएम कालेज में ‘आईसीटी टूल्स इन टीचिंग एंड रिसर्च’ विषय पर एक्सपर्टेशन लेक्चर

तकनीक शिक्षक का विकल्प नहीं, शिक्षक की क्षमताओं को और अधिक प्रभावी बनाने का माध्यम: प्रो. पंकज

हरिभूमि न्यूज़ ►► फतेहाबाद

एमएम कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर से शनिवार को ‘आईसीटी टूल्स इन टीचिंग एंड रिसर्च’ विषय पर एक्सपर्टेशन लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के अंग्रेजी विभाग के चेयरपर्सन एवं सीडीएलयू कुलगुरु के सलाहकार प्रो. पंकज शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमएम कालेज के प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने की। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए प्रो. पंकज शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।



फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में प्रो. पंकज शर्मा को पौधा भेंट करते प्राचार्य।

आईसीटी टूल्स के माध्यम से शिक्षक विषय-वस्तु को अधिक प्रभावी, रोचक और विद्यार्थियों के लिए सहज तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक शिक्षक का विकल्प नहीं है, बल्कि शिक्षक की क्षमताओं को और अधिक शोध कार्य में भी इनके माध्यम से



फतेहाबाद। प्रवचन में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन देते संत सुखदेवानंद महाराज।

फोटो : हरिभूमि

परमात्मा को पाना है तो अपने आपको परमात्मा के प्रति समर्पित करना होगा : सुखदेवानंद महाराज

परमहंस योग दरबार के श्रीमद्भागवत कथा का पांचवां दिन

हरिभूमि न्यूज़ ►► फतेहाबाद

मनुष्य ने अगर परमात्मा को पाना है तो उसे सखियों की तरह अपने आपको परमात्मा के प्रति समर्पित करना होगा। यह बात संत सुखदेवानंद महाराज ने परमहंस योग दरबार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन उपस्थित संगत को प्रवचन करते हुए कही। शहर के सेक्टर 3 स्थित कम्युनिटी सेंटर में संत सुखदेवानंद के सानिध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में अनांद पैट्रोज के संचालक प्रवीण आनंद, पार्षद नीलम आहूजा और पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र आहूजा ने बतौर मुख्य शिरकत कर पूजा अर्चना में भाग लिया। इस दौरान मंच संचालन सेवादार पवन रुखाया ने किया। प्रवचन करते हुए संत

- पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र आहूजा ने बतौर मुख्य शिरकत कर पूजा अर्चना में भाग लिया

सुखदेवानंद महाराज ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर अपने घर के सारे काम बीच में छोड़ भगवान श्रीकृष्ण की एक झलक पाने को दीदी चली जाती थी। उन्होंने बताया कि जब सखियां भगवान श्रीकृष्ण के पास पहुंची तो भगवान ने उन्हें कहा कि आप अपने घर जाओ और अपने परिवार के सदस्यों की सेवा करो। सखियों ने जवाब दिया कि हमारे परिवार के सदस्य शारीरिक रूप से हैं, उसी तरह आत्मिक रूप से हम आप से जुड़े हुए हैं तो भगवान श्रीकृष्ण समझ गए कि ये सखियां वासनाओं से मुक्त हो चुकी हैं। संत

सुखदेवानंद ने उपस्थित श्रद्धालुओं से आह्वान करते हुए कहा कि अगर हमें परमात्मा की प्राप्ति करनी है तो अपने आपको वासनाओं से मुक्त करके परमात्मा के प्रति समर्पण करना होगा। ऐसा करने के बाद जब भी भगवान के भक्त पर कोई संकट आता है तो भगवान अपने भक्त का संकट हरने के लिए दीड़े चले आते हैं। इस दौरान महाराज ने सखियों और भगवान श्रीकृष्ण की महारास का वर्णन भी किया तथा बाल कलाकारों द्वारा उसे झांकी के रूप में प्रस्तुत किया। संत सुखदेवानंद के अलावा दिल्ली से पथार संत सर्व योगानंद ने भी उपस्थित संगत को आशीर्वाचन कहे। इस अवसर पर श्री योग अनुभवदास सेवा समिति के पंकज बजाज, प्रिंस भाटिया, राजेश कथूरिया, अभिषेक भाटिया सहित बड़ी संख्या में संगत उपस्थित थी।

खबर संक्षेप

अवैध देशी शराब सहित दो युवक किए गिरफ्तार

फतेहाबाद। जिला पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में दो युवकों को देशी शराब सहित काबू किया है। भूना थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कंवर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान कुलां रोड स्थित पुराने शुगर मिल क्षेत्र के पास मौजूद थी। इसी दौरान एक व्यक्ति प्लास्टिक का कट्टा लेकर खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर वह तेज कदमों से वहां से जाने लगा। पुलिस टीम ने शक के आधार पर उसे काबू कर प्लास्टिक के कट्टे की जांच की तो उसमें विभिन्न ब्रांड की कुल 14 बोतल देशी शराब बरामद हुई। आरोपी की पहचान सदासुख पुत्र गोकरराम निवासी टिब्बी के रूप में हुई है। इस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत थाना भूना में मामला दर्ज किया गया है।

इनेलो लीगल सैल ने किया पौधरोपण

फतेहाबाद। इनेलो लीगल सैल द्वारा पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक ताऊ देवीलाल की जयंती के उपलक्ष्य में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिवक्ताओं और इनेलो नेताओं ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और ताऊ देवीलाल के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इनेलो लीगल सैल के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि 27 सितंबर को नूंह में इनेलो द्वारा आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय सम्मान दिवस समारोह को लेकर अधिवक्ताओं में भारी उत्साह है। इस ऐतिहासिक रैली में हिस्सा लेने और ताऊ देवीलाल की नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए फतेहाबाद जिले से वकीलों का एक बड़ा जत्था नूंह के लिए रवाना होगा।

कैबिनेट मंत्री बेदी करेंगे 12 परिवारों की सुनवाई

फतेहाबाद। जिला लोक संपर्क एवं जन परिवार समिति की बैठक 28 सितंबर को सुबह 11 बजे लघु सचिवालय के समीप स्थित जिला पंचायत संसाधन केंद्र में आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी करेंगे। बैठक में कुल 12 परिवार रखे जाएंगे। सीटीएम गौरव गुप्ता ने बताया कि जिला लोक संपर्क एवं जन परिवार समिति की बैठक में 4 परिवार पिछली बैठक में लंबित रहे तथा 8 परिवार नये रखे गए हैं। बैठक में पुलिस अधीक्षक से 3, कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य फतेहाबाद से 2, एंडीसी, जिला नगरायुक्त, कार्यकारी अभियंता जल सेवाएं मंडल हिसार, कार्यकारी अभियंता दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम फतेहाबाद, कार्यकारी अभियंता जल सेवाएं मंडल टोहाना, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण फतेहाबाद तथा बीडीपीओ भूना से संबंधित एक-एक परिवार सुनवाई के लिए रखे जाएंगे।

आवासीय व वाणिज्यिक उपयोग की स्पष्ट नीति बनाए सरकार: गोयल

सिरसा। एचएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में भूमि उपयोग से जुड़े विषयों को लेकर एचएसआईआईडीसी इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन ने हरियाणा सरकार एवं एचएसआईआईडीसी से सभी औद्योगिक प्लॉटधारकों के लिए स्पष्ट, समान एवं व्यवहारिक भूमि उपयोग नीति निर्धारित करने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष पुरुषोत्तम गोयल ने कहा कि हरियाणा के अन्य विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रचलित व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए एचएसआईआईडीसी के बिल्डिंग बाई-लॉ एवं एफएआर के अनुरूप उद्योग से संबंधित आवश्यक आवासीय तथा वाणिज्यिक/सहायक गतिविधियों के लिए स्पष्ट प्रावधान किए जाने चाहिए।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फ़ोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

चुनावी धांधली के विरोध में सड़कों पर उतरे किसान

सीईसी के खिलाफ भट्ट में फोटो जलाकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भट्टकलां

संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आह्वान पर शनिवार को जिले की भट्ट मंडी में किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बस अड्डे के समीप एकत्र हुए किसानों ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तस्वीर को आग के हवाले किया। इस प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान नेता सुभाष भादू ने की, जबकि मंच संचालन मास्टर हनुमान ने किया।

संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता विष्णुदत्त ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर प्रक्रिया के जरिए बिना किसी पारदर्शिता के देश के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में करीब 13 करोड़ वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार सहित कई राज्यों में वास्तविक नागरिकों, अल्पसंख्यकों और विपक्षी समर्थकों के वोट काटकर सत्तारूढ़ दल के पक्ष में चुनावी धांधली को



भट्टकलां। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तस्वीर को आग के हवाले करते किसान।

फोटो : हरिभूमि

कानून में संशोधन की मांग

उन्होंने मांग की कि इस कानून में तत्काल संशोधन कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार चयन समिति में प्रधानमंत्री व विपक्ष के नेता के साथ सीजेआई को पुनः शामिल किया जाए। संयुक्त किसान मोर्चा ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्तों ने ही पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 अवसरों पर मतदाता सूची प्रबंधन को लेकर अपनी औपचारिक आपत्तियां दर्ज कराई हैं, जिससे साबित होता है कि संस्थागत तंत्र पूरी तरह चरमरा गया है। किसान नेताओं ने आम नागरिकों, युवाओं और ग्रामीण मजदूरों से देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर आगे आने की अपील की। इस विरोध प्रदर्शन में किशोरी लाल, अजय सिंह माधवा, मुनीष कुमार, मनदीप पंच, अजय माधवा, राकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान और मजदूर उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब फतेहाबाद टाउन के इंस्टालेशन समारोह में नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

हरिभूमि न्यूज़►►फतेहाबाद

रोटरी क्लब फतेहाबाद टाउन का इंस्टालेशन समारोह हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि व डिस्ट्रिक्ट 3090 के गवर्नर अमित सिंगला ने नवचयनित क्लब प्रधान रणजीत सिंह धालीवाल को कालर पहनाकर दायित्व संभलवाया। उनके साथ सचिव महेश नागपाल व कोषाध्यक्ष मदन गेरा ने भी शपथ लेकर रोटरी के उद्देश्यों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित सिंगला ने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया और कहा कि वक्त बदल रहा है। अब महिलाओं को समाजसेवा के क्षेत्र में भी अलग पहचान बनानी होगी। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नामिनी संजय ठकराल का प्रतिनिधित्व कर रहे रोटरी क्लब सेंट्रल हिसार के प्रधान रवि मेहता ने कहा कि रोटरी के विश्व में 14 लाख सदस्य हैं। पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर गुलबहार सिंह ने उपस्थिति से आग्रह किया कि सभी को रोटरी फाउंडेशन को आर्थिक सहयोग करना चाहिए क्योंकि यह दान रोटरी इंटरनेशनल द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता आदि पर खर्च किया जाता है।



फतेहाबाद। दायित्व ग्रहण करते रोटरी क्लब की नई टीम।

प्रधान ने रोडमैप प्रस्तुत किया

रोटरी क्लब फतेहाबाद के निवर्तमान प्रधान गुलशन अरोड़ा ने अपने कार्यकाल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और नवगठित टीम को शुभकामनाएं दीं। दायित्व ग्रहण करने के उपरान्त प्रधान रणजीत सिंह धालीवाल ने इस वर्ष का रोडमैप प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सुमित गोवाल, रमनजीत दिल्ली पटियाला, विनोद आहुजा हिसार, श्वेता गोवर एडवोकेट, विकास कड़वासरा, प्रो. आरके कौशिक, अंकित गेरा, रूपेश कौशिक, परमजीत सिद्धू, गुरमीत सिंह नामधारी, राजीव सेतिया, गुरपाल सिंह पाटी, मुकेश वर्मा, आत्मा गुरा, गुरमीत मोगा सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज़►►सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के फार्मेसी विभाग द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली निकाली गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति ने कहा कि फार्मासिस्ट

- स्वास्थ्य समाज के निर्माण में फार्मेसी प्रोफेशन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है

फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए करने का आह्वान किया। कुलसचिव डॉ. सुनील शर्मा ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में फार्मेसी प्रोफेशन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक

अनाज मण्डी के नवनिर्वाचित प्रधान रमेश तनेजा ने संभाला पदभार

पूर्व विधायक पहुंचे शपथ ग्रहण समारोह में



फतेहाबाद। व्यापार मंडल पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए पूर्व विधायक दुड़ाराम।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़►►फतेहाबाद

व्यापार मंडल अनाज मंडी फतेहाबाद द्वारा नवनिर्वाचित एवं निवर्तमान पदाधिकारियों ने पदभार संभाल लिया है। उनके सम्मान में श्रीराम सेवा समिति धर्मशाला में अभिनंदन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक दुड़ाराम ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंडी पहुंचने पर व्यापार मंडल के प्रधान रमेश तनेजा, कार्यकारी पदस्थों और दर्जनों व्यापारियों ने पूर्व विधायक का जोरदार स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक दुड़ाराम ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई दी और कहा कि अनाज मंडी के सभी

- प्रधान रमेश तनेजा ने कहा कि नई कार्यकारिणी मंडी की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाकर उनका समयबद्ध समाधान कराएगी

व्यापारी एक अटूट परिवार की तरह हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखकर नीतियां बना रही है और आगामी फसल सीजन के दौरान मंडी में खरीद और उठान को लेकर व्यापारियों व किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर व्यापार मंडल के प्रधान चुने गए रमेश तनेजा, वरिष्ठ उपप्रधान सुरेश बुडलाडिवा, उपप्रधान कृष्ण कुमार, सचिव बागराम, सहसचिव सुरजीत

कुमार और कोषाध्यक्ष नवीन कुमार ने मंडी के सभी व्यापारियों का आभार व्यक्त किया। प्रधान रमेश तनेजा ने कहा कि व्यापारियों के अटूट सहयोग और भरोसे के कारण ही उन्हें यह जिम्मेदारी मिली है। नई कार्यकारिणी मंडी की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाकर उनका समयबद्ध समाधान कराएगी कार्यक्रम के दौरान चुनाव कमेटी के सदस्यों, मंडी के वरिष्ठ व्यापारियों तथा पुरानी व नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में सभी उपस्थित जनों के लिए जलपान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडी व्यापार मंडल के पूर्व पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी उपस्थित रहे।



निर्वाचन कानूनगो ने किया बूथों का औचक निरीक्षण

सिरसा। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 26 एवं 27 सितंबर को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए गए हैं। इन दिनों सभी संबंधित उपस्थित अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने बूथों पर प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहकर मतदाता सूची से संबंधित कार्य करेंगे। अभियान के दौरान पात्र नागरिकों के नए वोट बगाने, मतदाता सूची में आवश्यक शुद्धिकरण एवं संशोधन करने तथा अपात्र एवं ग़ुप्त मतदाताओं के नाम नियमानुसार हटाने सहित विभिन्न निर्वाचन संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। विशेष अभियान के प्रथम दिन 26 सितंबर को निर्वाचन तहसीलदार हनुमान दास एवं निवाचन कानूनगो सुरेंद्र शर्मा ने 42-कालावाली विधानसभा क्षेत्र से स बहति गांव नेजाडैला कलां व सहराण के अंतर्गत आने वाले सभी बूथों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बूथों पर उपस्थित बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया तथा विभिन्न पात्रों एवं फॉर्म भरने और निर्वाचन संबंधी कार्यों के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने बीएलओ को निर्देश दिए कि विशेष अभियान के दौरान पात्र मतदाताओं को आवश्यक सुविधा उपलब्ध करवाते हुए सभी कार्य निष्पारित प्रक्रिया एवं नियमानुसार पूर्ण किए जाएं।

अब भाजपा कार्यालय में लगेगी पदाधिकारियों की हाजिरी, बायोमेट्रिक अटेंडेंस मशीन का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज़►►फतेहाबाद

भाजपा जिला कार्यालय में शनिवार को बायोमेट्रिक अटेंडेंस मशीन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने कार्यालय में संगठन के पदाधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए दिनवार ड्यूटी भी निर्धारित की गई है। जोड़ा ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत सप्ताह के सातों दिन अलग-अलग पदाधिकारी जिला कार्यालय में मौजूद रहेंगे। इससे कार्यालय में आने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों को



फतेहाबाद। बायोमेट्रिक अटेंडेंस मशीन का उद्घाटन करते भाजपा जिलाध्यक्ष।

अपनी बात रखने तथा संगठन से संबंधित कार्यों के लिए पदाधिकारियों से संपर्क करने में सुविधा होगी। ड्यूटी रोस्टर के अनुसार सभी कार्यलय को जिला उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, जिला

महामंत्री अशोक जाखड़, मन की बात प्रमुख विक्रम शर्मा, मार्केट कमेटी फतेहाबाद के चेयरमैन जगदीश जाखड़ तथा युवा मोर्चा अध्यक्ष बिट्टू गुर्जर कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। मंगलवार को जिला

कार्यक्रम

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यक्रम

आंगनवाड़ी केंद्रों को समुदाय से जोड़ने की पहल, आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में सांसद ने दी योजनाओं की जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ►►फतेहाबाद



फतेहाबाद। महिलाओं को पौष्टिक थाली वितरित करते राज्यसभा सांसद सुभाष बराला।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर के आंगनवाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। टोहाना उपमंडल के गांव हिमत्तपुरा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़े बच्चों, माताओं एवं स्थानीय समुदाय को पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल तथा महिला एवं बाल कल्याण से संबंधित सरकारी योजनाओं के प्रति

जागरूक करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक

जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकार और आमजन के बीच सीधा संचाद

स्थापित करना, विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना तथा नागरिकों की

भागीदारी सुनिश्चित करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है।